



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 124]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 20, 2014/वैशाख 30, 1936

No. 124]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 20, 2014/VAISAKHA 30, 1936

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 मई, 2014

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन.गण. की मूल के या वहां से निर्यातित सेफ्ट्रीएक्सन सोडियम स्टराइल (जिसे सेफ्ट्रीएक्सन डिसोडियम हेमीहेप्टाहाइड्रेट-स्टराइल के नाम से भी जाना जाता है) के आयातों के बारे में निर्णायक समीक्षा (एसएसआर) पाटनरोधी जांच।

सं.15/12/2012-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है), को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी कहा गया है) द्वारा 4 अप्रैल, 2007 की अधिसूचना सं. 14/18/2006-डीजीएडी के तहत चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित सेफ्ट्रीएक्सन सोडियम स्टराइल (जिसे सेफ्ट्रीएक्सन डिसोडियम हेमीहेप्टाहाइड्रेट-स्टराइल के नाम से भी जाना जाता है) के आयातों के बारे में मूल जांच शुरू की गई थी। प्राधिकारी द्वारा 7 नवंबर, 2008 की अधिसूचना सं. 14/18/2006-डीजीएडी के तहत प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किए गए थे और राजस्व विभाग द्वारा 30 नवंबर, 2007 की अधिसूचना सं. 117/2007-सी.शु. के तहत अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। निश्चयात्मक शुल्क लगाने की सिफारिश करते हुए प्राधिकारी द्वारा 2 जुलाई, 2008 की अधिसूचना सं. 14/18/2006-डीजीएडी के तहत अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना जारी की गई थी। अंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर राजस्व विभाग द्वारा संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर 27 अगस्त, 2008 की अधिसूचना सं. 98/2008-सी.शु. के तहत निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

2. यतः चीन जन.गण. के निर्यातकों में से एक निर्यातक मै. सुझोऊडाउनरेज फार्मास्युटीकल कं. लि. ने प्राधिकारी द्वारा 2.7.2008 को जारी किए गए अंतिम जांच परिणामों और 27.8.2008 की सी.शु. अधिसूचना सं. 98/2008-सी.शु. को चुनौती देते हुए माननीय सेस्टेट, नई दिल्ली के समक्ष एक अपील दायर की थी। माननीय सेस्टेट ने 5 जुलाई, 2012 के अपने आदेश के तहत अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार निर्णय लिया था :

“6. उपर्युक्त से हमने यह देखा है कि अपीलकर्ताओं को बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे से इंकार न केवल एक दृष्टिकोण से अपितु कई पहलुओं को शामिल करते हुए समग्र निर्धारण करने के बाद किया गया है। अतः हम निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के बारे में उक्त जांच परिणाम में हस्तक्षेप करने का कोई वैध कारण नहीं पाते हैं जिसे इस तथ्य का विश्लेषण करने के अलावा कि जिन कीमतों पर अपीलकर्ताओं द्वारा अपनी कच्ची सामग्री की जरूरत के केवल लगभग 5 प्रतिशत की प्राप्ति की जा रही है, वह डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार भारत में प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय आयात कीमतों की तुलना में काफी कम हैं, मामले के सभी पहलुओं का विश्लेषण करने के बाद किया गया है जिससे यह संकेत मिलता है कि अपीलकर्ता बाजार अर्थव्यवस्था के परिदृश्य में प्रचालन नहीं कर रहे हैं।

7. अपीलकर्ताओं के विद्वान काउंसिल ने यह दलील दी है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अत्यधिक गोपनीयता प्रदान की है जिससे अपीलकर्ताओं को उस सामान्य कीमत के बारे में प्रश्न करने का प्रभावी अवसर नहीं मिला है जिसका निर्धारण अपीलकर्ताओं के संबंध में किया गया है और इसके प्रत्युत्तर में इसका उपयोग पाटन मार्जिन की उच्चतर दर और परिणामतः अपीलकर्ताओं के खिलाफ पाटनरोधी शुल्क की उच्च दर निर्धारित करने में किया गया है।

8. अपीलकर्ताओं के विद्वान काउंसिल के उपर्युक्त अनुरोध को ध्यान में रखते हुए हमने अंतिम जांच परिणामों एवं अन्य अनुरोधों के गोपनीय रूपांतरण मांगे हैं। हमने यह पाया है कि अपीलकर्ताओं के लिए पाटन मार्जिन की गणना करने हेतु निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कच्ची सामग्री 7 ए सी ए की आयात कीमत (डी जी सी आई एस के आंकड़ों के अनुसार) के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन करने का विकल्प चुना है। ऐसा सेफ्ट्रीएक्सन सोडियम (नान-स्टरायल) और अन्य कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, जिस सीमा तक ऐसी कीमत उपलब्ध थी, के आधार पर सामान्य मूल्य के परिकलन की पद्धति की अनदेखी करने के बाद किया गया है। इस पद्धति द्वारा सामान्य मूल्य के परिकलन की इस आधार पर अनदेखी की गई है कि अपरिष्कृत सेफ्ट्रीएक्सन का समग्र आयात केवल चीन से हुआ है और कीमतें या तो पाटित थीं या अत्यधिक अविश्वसनीय थीं। तथापि, हमने यह पाया है कि सामान्य मूल्य के परिकलन की इस पद्धति में प्रयुक्त कच्ची सामग्री की लागत उस मूल्य से अत्यधिक तुलनीय है जिस मूल्य पर स्वयं याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग उसी स्रोत से उसी कच्ची सामग्री की प्राप्ति कर रहा है। अतः सामान्य मूल्य के परिकलन की प्रथम पद्धति की अनदेखी करने के लिए प्रदत्त कारण को स्वीकार नहीं किया जा सकता। तदनुसार, हमारा यह मत है कि सहयोगी निर्यातकों के औसत खपत संबंधी मानदंडों को अपनाते हुए परिकलन की प्रथम पद्धति द्वारा संगणित कम सामान्य मूल्य को अपीलकर्ताओं के संबंध में पाटन मार्जिन तथा पाटनरोधी शुल्क की गणना के प्रयोजनार्थ लागू करने की जरूरत है। सामान्य मूल्य के परिकलन की प्रथम पद्धति का प्रयोग करते हुए अपीलकर्ताओं के लिए पाटन मार्जिन 39.42 अम.डॉ. बनता है। तदनुसार, हम दिनांक 2.7.2008 के आक्षेपित अंतिम जांच परिणाम और 27.8.2008 की आक्षेपित सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 98/2008-सी.शु. में अपीलकर्ताओं के संबंध में पूर्व में निर्धारित पाटनरोधी शुल्क को संशोधित करते हुए उसे 55.61 अम.डॉ. के मुकाबले 39.42 अम.डॉ. करते हैं।

9. अतः उपर्युक्तानुसार, पाटनरोधी शुल्क में कमी कर अपील की आंशिक अनुमति प्रदान की जाती है।”

3. यतः मैसर्स नेक्टर लाइफसाइंसेज लि., चंडीगढ़ और मैसर्स कोपरान लि. ने चीन जन.गण., के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु का पाटन जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने तथा घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की संभावना का आरोप लगाते हुए अधिनियम एवं नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से प्राधिकारी के समक्ष एक विधिवत पुष्टिकृत आवेदन दायर किया और संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने, उसे जारी रखने और उसे बढ़ाने का अनुरोध किया।

4. घरेलू उद्योग की ओर से दायर किए गए विधिवत पुष्टिकृत आवेदन को ध्यान में रखते हुए और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 क (5) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के बारे में शुल्क को निरंतर लागू रखने की जरूरत की समीक्षा करने और इस बात की जांच करने कि क्या ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, के लिए 22 नवंबर, 2012 की अधिसूचना के तहत एक निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की वैधता अवधि को केन्द्र सरकार द्वारा 29 नवंबर, 2012 की अधिसूचना सं. 50/2012-सी.शु. (एडीडी) के तहत बढ़ाकर 28 नवंबर, 2013 कर दिया गया था।

5. वर्तमान समीक्षा के दायरे में संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से जुड़ी पूर्ववर्ती जांचों के सभी पहलू शामिल हैं।

ख. प्रक्रिया

6. संबद्ध जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :-

(क) नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को सूचित किया गया था।

(ख) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध कराईं। आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति सार्वजनिक फाइल में भी उपलब्ध कराई गई थी और अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराई गई थी।

(ग) प्राधिकारी ने नियम 6(2) और 6(4) के अनुसार सार्वजनिक सूचना की प्रति चीन जन.गण. में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया :

- (i) मै0 फ्यूजियान फुकांग फार्मास्युटीकल कंपनी
- (ii) मै. सुझोऊ डाउनरेज फार्मास्युटीकल कंपनी लि.
- (iii) मै. झुहाई यूनाइटेड लेबोरेटरीज कं. लि.
- (iv) मै. सिजियाझुआंग फार्म ग्रुप
- (v) मै. हार्बिन फार्मास्युटीकल ग्रुप कंपनी लि.?
- (vi) मै. लिबजोन सिंटफार्म कंपनी लि.
- (vii) मै. गुआनझोऊ बाइयुनशान फार्मास्युटीकल कं. लि.
- (viii) मै. शेनडोंग लुकांग रिकॉर्ड फार्मास्युटीकल कं. लि.
- (ix) मै. क्वेला एंटीबायोटिक्स फार्मास्युटीकल कं. लि.
- (x) मै. सांक्सी वाइकिडा फार्मास्युटीकल कं. लि.
- (xi) मै. हेबाई झोनग्रुन फार्मास्युटीकल कं. लि.
- (xii) मै. शानडोंग रूइइंग पायनियर फार्मास्युटीकल कं. लि.
- (xiii) मै. शेनडोंग जिनचेंग फार्मास्युटीकल एंड कैमिकल्स कं. लि.
- (xiv) मै. मर्केटर फार्मा
- (xv) मै. जुनान कॉमर्स एंड इंडस्ट्रियल कंपनी लि.
- (xvi) मै. मिग्री फार्मास्युटीकल कं. लि.
- (xvii) मै. वानचान टोंगताई फार्मास्युटीकल कं. लि.
- (xviii) मै. हेनान फार्कैम इंडस्ट्री कं. लि.
- (xix) मै. शेनझेन सेल्युब्रिस फार्मास्युटीकल लि.
- (xx) मै. जिबोहुआलॉग फार्मास्युटीकल कं. लि.

(घ) संबद्ध देश के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने कोई उत्तर या अनुरोध दायर नहीं किया है ।

(ङ.) निर्धारित समय के भीतर प्राधिकारी को संगत सूचना उपलब्ध कराने का अनुरोध करते हुए चीन जन.गण. के सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और दूतावास को बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार (एमईटी) संबंधित प्रश्नावली भी भेजी गई थी। यद्यपि चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य की जांच के प्रयोजनार्थ भारत में विधिवत समायोजित सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के आधार पर विचार किया गया था तथापि, प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को यह सूचित किया कि उसका प्रस्ताव यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और पैरा 8 के मददेनजर आवेदक के दावे की जांच करने का है। अतः चीन जन.गण. के सम्बद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों से अनुरोध किया गया था कि वे पैरा 8 के उप-पैरा (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सकें कि क्या सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जा सकता है। तथापि, इस बारे में चीन जन.गण. के उत्पादकों/निर्यातकों से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है ।

(च) नियम 6(4) के अनुसार, प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ताओं (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें पत्र जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी :

- (i) बायोकैम फार्मास्युटीकल इंडस्ट्रीज
- (ii) जी सी कैमि फार्मा लि.
- (iii) लूपिन लि.
- (iv) लाइका लैब्स लि.
- (v) मारुति फार्माकैम प्रा. लि.
- (vi) मेरप्रो फार्मास्युटीकल्स प्रा. लि.
- (vii) आर्किड कैमिकल्स एंड फार्मास्युटीकल्स
- (viii) स्ट्राइडस आर्कोलैब लि.
- (ix) वैक्सफोर्ड लैब्स लि.

- (x) फ्लैमिंगो फार्मास्युटीकल्स लि.
 (xi) बल्क ड्रग्स मैनु एसो.
 (xii) इंडियन ड्रग्स मैनु एसो.
- (छ) किसी भी आयातक/प्रयोक्ता/अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई उत्तर/अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है ।
- (ज) जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रति संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित अन्य ज्ञात घरेलू उत्पादकों को भी भेजी गई थी :
- (i) आर्किड कैमिकल्स एंड फार्मास्युटीकल्स
 (ii) अरबिन्दो फार्मा लि.
 (iii) पैराबोलिक ड्रग्स लि.
 (iv) ल्यूपिन लि.
 (v) मै. अरविंदो फार्मा लि. और मै0 पैराबोलिक ड्रग्स लि. ने याचिका का समर्थन किया है ।
- (झ) वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 जुलाई, 2011 से 30 जून, 2012 (जांच अवधि) तक की थी । क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2009—मार्च, 2010, अप्रैल, 2010—मार्च, 2011, अप्रैल, 2011—मार्च, 2012, की अवधि और जांच अवधि शामिल थी ।
- (ट) घरेलू उद्योग ने गौण स्रोतों अर्थात् आईबीआईएस के आंकड़ों पर भरोसा किया था । वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से अनुरोध किया गया था कि वह जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि सहित क्षति अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के व्यौरों की व्यवस्था करे । चूंकि जांच अवधि के दौरान आईबीआईएस स्रोत के अनुसार संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में सूचित मात्रा से अधिक पाई गई थी, यद्यपि, डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में संबद्ध वस्तु की कीमत आई बी आई एस की तुलना में मामूली रूप से अधिक प्रतीत होती है, इसलिए प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में आईबीआईएस स्रोत के आंकड़ों पर भरोसा किया है ।
- (ठ) जिन निर्यातकों, उत्पादकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी को इस जांच से संगत न तो कोई उत्तर दिया है और न ही सूचना प्रदान की है, उन्हें प्राधिकारी द्वारा असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है ।
- (ड) नियम 6 (7) के अनुसार, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण हेतु खुला रखा ।
- (ढ) भारत में सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और क्षति रहित कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी ने अनुबंध-III में निर्धारित दिशानिर्देशों के आधार पर घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की संभव सीमा तक जांच की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाटनमार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।
- (ण) पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 19 सितंबर, 2013 को आयोजित एक सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों को अवसर भी प्रदान किया जिसमें केवल घरेलू उद्योग और उसके प्रतिनिधि उपस्थित हुए थे। केवल घरेलू उद्योग ने ही मौखिक सुनवाई अपने विचार व्यक्त किए थे उनसे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने का आग्रह किया गया था ।
- (त) जांच की कार्यवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोधों पर इस जांच परिणाम में विचार किया गया है ।
- (थ) भागीदार घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत सूचना और आंकड़ों का आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था ।
- (द) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी । संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने जहां आवश्यक हुआ है, गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है । जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं ।
- (ध) जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने यह प्रकटन विवरण “उपलब्ध तथ्यों” के आधार पर दर्ज किया है और ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है ।

- (न) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा आवश्यक तथ्यों का ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन 13 मई, 2014 को जारी एक प्रकटन विवरण के जरिए किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई सीमा तक इस जांच परिणाम में विचार किया गया है ।
- (प) *** यह चिन्ह इस जांच परिणाम में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है ।
- (फ) प्राधिकारी द्वारा जांच अवधि के लिए विनिमय दर 50.47 रुपए = 1 अम.डा. ली गई है ।
- ग. **विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र और समान वस्तु :**

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

7. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नानुसार हैं :

- (i) वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा होने के कारण विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वहीं रहना चाहिए जैसा कि मूल जांच में था ।
- (ii) विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूची के सी.शु. उपशीर्ष 2941 एवं 2942 के अंतर्गत वर्गीकृत है और संगत 8 अंकीय वर्गीकरण "2941.9090 एवं 2942.0090" हैं । केन्द्र सरकार द्वारा 27 अगस्त, 2008 की सी.शु. अधिसूना सं० 98/2008-सी.शु. के तहत सीमाशुल्क शीर्ष 29419090 के अंतर्गत निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू किया गया है । तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है ।
- (iii) इस अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के संबंध में कोई खास विकास नहीं हुआ है ।
- (iv) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु भौतिक एवं तकनीकी विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन और टैरिफ वर्गीकरण जैसे मापदंडों के संबंध में आयातित उत्पाद के समान वस्तु है ।

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

8. इस संबंध में किसी भी उत्पादक/निर्यातक/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई अनुरोध नहीं किया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

9. मूल जांच और वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद सेफ्ट्रीएक्सन सोडियम स्टराइल है जिसे सेफ्ट्रीएक्सन डिसोडियम हेमीहेप्टाहाइड्रेट-स्टराइल के नाम से भी जाना जाता है ($C_{18}H_{16}N_8Na_{20}S_{33}I_{2}H_{2}O$) । वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा होने के कारण विचाराधीन उत्पाद वही रहता है जैसा कि मूल जांच में था । यह एक तीसरी पीढ़ी का पैरेंटरल सिफेलोस्फोरिन एंटीबायोटिक होता है । मुख्यतः "सेफ्ट्रीएक्सन सोडियम स्टराइल" एक सक्रिय भेषजीय संघटक (एपीआई) होता है जिसका इस्तेमाल नसों और मांसपेशियों में दवा पहुंचाने के लिए इंजेक्शन भरने की युक्ति के लिए किया जाता है । इस उत्पाद का प्रयोग मुख्यतः निचली स्वांस नलिका में आए संक्रमण, त्वचा एवं त्वचीय विन्यास संबंधी संक्रमण, वृक्क सूजनकारी रोग, अंतरा उदर संबंधी संक्रमण, साधारण गनूरिया संक्रमण जैसे रोगों और शल्य निरोधक चिकित्सा हेतु किया जाता है । केन्द्र सरकार द्वारा 27 अगस्त, 2008 की सी.शु. अधिसूना सं० 98/2008-सी.शु. के तहत सीमाशुल्क शीर्ष 29419090 के अंतर्गत निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू किया गया है । आवेदक ने दावा किया है कि विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूची के सी.शु. उपशीर्ष 2941 एवं 2942 के अंतर्गत वर्गीकृत है और संगत 8 अंकीय वर्गीकरण "2941.9090 एवं 2942.0090" हैं । तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है ।

10. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्राधिकारी द्वारा यथापरिभाषित विचाराधीन उत्पाद के अर्थ और क्षेत्र का विरोध नहीं किया है । प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद संबद्ध देश से आयातित वस्तु के समान वस्तु है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण के संबंध में तुलनीय है । प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के मुद्दे की जांच की है जिस पर भरोसा किया गया है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित वस्तु नियमानुसार समान वस्तुएं हैं । दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं ।

11. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद का विनिर्माण 7-एसीए (7-अमीनोसेफेलोस्फोरिनिक एसिड) के चरण से किया जा सकता है जो सेफेलोस्फोरिन-सी के किण्वन द्वारा उत्पादित प्रमुख कच्ची सामग्री है । तथापि, विचाराधीन उत्पाद का विनिर्माण निधारण प्रक्रिया के जरिए सेफ्ट्रीएक्सन नॉन स्टराइल के प्रयोग और शोधन द्वारा मध्यवर्ती चरण से भी किया जा सकता

है । वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में घरेलू उद्योग के घटक के रूप में दोनों याचिकाकर्ताओं के पास “7-एसीए” और “सेफ्ट्रीएक्सन नॉन स्टरायल” दोनों चरणों से विचाराधीन उत्पाद का विनिर्माण करने की क्षमता है । तथापि, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के घटकस्वरूप घरेलू उत्पादकों में से एक उत्पादक ने यद्यपि सेफ्ट्रीएक्सन नॉन स्टरायल चरण से संबद्ध वस्तु का उत्पादन किया तथापि, दूसरे ने “7-एसीए” और “ सेफ्ट्रीएक्सन नॉन स्टरायल ” चरणों से संबद्ध वस्तु का उत्पादन किया ।

घ. घरेलू उद्योग और उसका आधार

घरेलू उद्योग के अनुरोध

12. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और उसके आधार के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :

- (i) किसी निर्णायक समीक्षा में घरेलू उद्योग का क्षेत्र और उसका आधार प्रासंगिक नहीं है ।
- (ii) याचिकाकर्ताओं में से एक याचिकाकर्ता मै0 कोपरान ने संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद की कुछ मात्रा का आयात किया है । तथापि, ये सभी आयात अग्रिम लाइसेंस पर किए गए हैं और कंपनी का प्रमुख कार्यकलाप संबद्ध वस्तु का उत्पादन बना हुआ है और न कि उसका व्यापार । अतः कोपरान नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में विचार करने के लिए पात्र है ।
- (iii) निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास यह विवेकाधिकार है कि वह ऐसे किसी घरेलू उत्पादक को घरेलू उद्योग के दायरे में शामिल कर ले जिसने संबद्ध वस्तु का आयात किया है ।
- (iv) देश में विचाराधीन उत्पाद के 4 अन्य ज्ञात उत्पादक—मै0 अरविंदो फार्मा लि., मै0 पैराबोलिक ड्रग्स लि., मै0 आर्किड कैमिकल्स और मै0 ल्यूपिन लि. हैं । मै0 अरविंदो फार्मा लि. और मै0 पैराबोलिक ड्रग्स लि. ने याचिका का समर्थन किया है ।
- (v) मूल जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मै0 आर्किड कैमिकल्स और मै0 ल्यूपिन लैब को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखा था ।
- (vi) याचिकाकर्ताओं के उत्पादन का जांच अवधि में भारतीय उत्पादन में 45 प्रतिशत से अधिक का हिस्सा बनता है और इसलिए वे घरेलू उद्योग हैं ।

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

13. इस संबंध में किसी भी उत्पादक/निर्यातक/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई अनुरोध नहीं किया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से मै. नेक्टर लाइफसाइंसेज लि. और मै. कोपरान लि. द्वारा दायर किया गया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं में से एक याचिकाकर्ता मै0 कोपरान ने यह स्वीकार किया है कि उसने अग्रिम लाइसेंस के जरिए संबद्ध देश से *** किग्रा. संबद्ध वस्तु का आयात किया है जो उसके कुल उत्पादन का लगभग ***% बनता है । तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी का ध्यान विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन पर केन्द्रित है न कि व्यापार पर और अग्रिम लाइसेंस के जरिए किए गए आयातों से नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग माने जाने के संबंध में उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

15. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि देश में संबद्ध वस्तु के अन्य ज्ञात उत्पादक अर्थात् मै0 अरविंदो फार्मा लि., मै. पैराबोलिक ड्रग्स लि., मै. आर्किड कैमिकल्स और मै. ल्यूपिन लि. हैं । मै. अरविंदो फार्मा लि. और मै. पैराबोलिक ड्रग्स लि. ने याचिका का समर्थन किया है । घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार मै. ल्यूपिन लि. संबद्ध वस्तु के समूचे उत्पादन का उपयोग आबद्ध खपत के लिए करती है और मै. आर्किड कैमिकल्स संबद्ध वस्तु के समूचे उत्पादन निर्यात करती है और दोनों उद्योगों ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की कोई घरेलू बिक्री नहीं की है । आवेदक उत्पादकों का उत्पादन संबद्ध वस्तु के कुल उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है और इसलिए आवेदक घरेलू उद्योग हैं । तथापि, जहां तक घरेलू उद्योग के आधार और क्षेत्र का संबंध है, वर्तमान जांच में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इसका विरोध नहीं किया है । उपर्युक्त स्थिति को देखते हुए और नियमों और रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि मै. नेक्टर लाइफ साइंसेज लि. और मै. कोपरान लि. का संबद्ध वस्तु के भारतीय उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है और वे नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं ।

ड. बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण—पाटन जारी रहने की कार्य प्रणाली, मापदंड और उसकी संभावना

बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावा

घरेलू उद्योग के अनुरोध

16. घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

- i. चूंकि चीन की किसी भी कंपनी द्वारा प्रश्नावली का कोई उत्तर दायर नहीं किया गया है, इसलिए संबद्ध देश को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए ।
- ii. मूल जांचों में प्राधिकारी ने चीन के किसी भी निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया था और चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण यथासंशोधित उक्त नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 और 8 के अनुसार उचित लाभ के साथ चीन में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की अनुमानित लागत के आधार पर किया गया था । प्राधिकारी को वर्तमान जांच में चीन जन.गण. हेतु सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए इसी कार्य प्रणाली पर विचार करना चाहिए ।
- iii. चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण (क) भारत में कीमत, और (ख) बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा लाभ को समायोजित करते हुए विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर निर्धारित किया जा सकता है । चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में विधिवत समायोजित उत्पादन लागत के आधार पर किया जाना चाहिए ।
- iv. याचिकाकर्ताओं ने सामान्य मूल्य का परिकलन कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत पर विचार करने और उनके खपत संबंधी मानकों तथा परिवर्तन लागत को अपनाने के बाद किया है । सैफ्ट्रीएक्सन सोडियम स्ट्राइल के उत्पादन में प्रयुक्त प्रमुख कच्ची सामग्री 7-एसीए (7-अमीनोसेफेलोस्पोरिनिक एसिड) है जिसका उत्पादन सेफेलोस्पोरिन-सी के किण्वन द्वारा किया जाता है । यद्यपि, कुछ उत्पादकों ने सैफ्ट्रीएक्सन सोडियम नॉन स्ट्रायल चरण से ही उत्पाद का उत्पादन शुरू किया है, चूंकि यह उत्पादन की मुकमल प्रक्रिया नहीं है, इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी कृपया 7-एसीए चरण से ही प्रक्रिया पर विचार करें ।
- v. इस संबंध में यह नोट करना भी प्रासंगिक है कि पूर्ववर्ती जांच से यह पता चला है कि चीन के अधिकांश उत्पादन 7-एसीए से विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन कर रहे हैं । चूंकि चीन के उत्पादक 7-एसीए से विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन कर रहे हैं, इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण केवल इस चरण से किया जाना अपेक्षित है ।

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

17. इस संबंध में किसी भी उत्पादक/निर्यातक/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई अनुरोध नहीं किया है ।

बजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच

18. जांच की शुरुआत के चरण पर प्राधिकारी ने चीन जन.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए अनुमान पर कार्यवाई की थी । जांच की शुरुआत के बाद प्राधिकारी ने चीन के उत्पादकों/निर्यातकों को यह सलाह दी कि वे जांच शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर दें और उनके बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के निर्धारण के लिए संगत सूचना प्रदान करें । प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 8(3) में निर्धारित मानदंडों के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने के लिए समस्त ज्ञात निर्यातकों को एम ई टी प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं । प्राधिकारी ने चीन सरकार से यह भी अनुरोध किया कि वह अपने देश के उत्पादकों/निर्यातकों को संगत सूचना प्रदान करने की सलाह दें । प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में भारत और डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. को एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी वर्तमान जांच में संबद्ध देश को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हैं ।

सामान्य मूल्य का निर्धारण

19. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जांच शुरुआत संबंधी सूचना जारी किए जाने के बाद संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के किसी भी उत्पादक और निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है और गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन नहीं किया है । उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए और चीन की प्रतिवादी कंपनी द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन न किए जाने की स्थिति में प्राधिकारी चीन जन. गण. के मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार कार्यवाई करना उचित समझते हैं ।

20. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 में निम्नानुसार उपबंध है :

“गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी । ”

21. वर्तमान जांच में संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है और उत्तर नहीं दिया है। इसके अलावा, किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने नियमों में यथा परिभाषित ऐसा कोई वैकल्पिक आधार उपलब्ध नहीं कराया है जिसके अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जा सके। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए और चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निहित अन्य पद्धतियों के बारे में रिकॉर्ड में पर्याप्त सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण “अन्य उचित आधार” की पद्धति अपनाकर किया है। अतः प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन प्रमुख कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत हेतु विधिवत समायोजन करने के बाद भारत में कुशल घरेलू उत्पादक की उत्पादन लागत के आधार पर किया है। प्राधिकारी ने अपनी सुसंगत परंपरा के अनुसार उचित लाभ भी प्रदान किया है। तदनुसार, चीन के निर्यातकों के लिए परिकलित सामान्य मूल्य *** अम.डा. प्रति किग्रा. निर्धारित किया गया है।

निर्यात कीमत

22. चूंकि संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक ने ऐसी कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है, जिसका प्रयोग निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु किया जा सके, इसलिए प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण आईबीआईएस के आंकड़ों के अनुसार भारत में हुए आयातों के आधार पर किया है। रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार सीआईएफ कीमतों में समायोजन किए गए हैं। तदनुसार, निर्यात कीमत में हवाई भाड़े, बीमा, कमीशन, पत्तन व्यय, बैंक प्रभारों और अंतरदेशीय भाड़े के लिए समायोजन किया गया है। प्राधिकारी द्वारा निवल निर्यात कीमत *** अम.डा. प्रति किग्रा. निर्धारित की गई है।

पाटन मार्जिन

23. ऊपर यथानिर्धारित परिकलित सामान्य मूल्य और कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत की तुलना करते हुए प्राधिकारी द्वारा संबद्ध देश में सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया है :-

सामान्य मूल्य	अम.डा./किग्रा.	***
निवल निर्यात कीमत	अम.डा./किग्रा.	***
पाटन मार्जिन	अम.डा./किग्रा.	***
सामान्य मूल्य के प्रतिशत के रूप में पाटन मार्जिन	%	***
पाटन मार्जिन	रेंज :	15—25

च. क्षति निर्धारण की कार्यप्रणाली और क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच

घरेलू उद्योग के अनुरोध

24. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :

- चीन से विचाराधीन उत्पाद का सतत पाटन हो रहा है।
- वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के पाटन में तेजी आने की संभावना है।
- वर्तमान पाटनरोधी शुल्क के परिणामस्वरूप पाटित आयातों की मात्रा में गिरावट आई है।
- कीमत कटौती अत्यधिक सकारात्मक है।
- वर्तमान जांच अवधि में लाभ, निवेश पर आय, मालसूची आदि के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है।
- पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद घरेलू उद्योग के लाभ में गिरावट आई है। यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किया जाता है तो घरेलू उद्योग आयात कीमतों से तुलनीय कीमत पर अपने उत्पाद की बिक्री करने के लिए बाध्य होगा। इससे अत्यधिक वित्तीय घाटा होगा, निवेश पर नकारात्मक आय प्राप्त होगी और भारी नकद घाटा होगा।
- यद्यपि, घरेलू उद्योग अपनी उत्पादन और बिक्री मात्रा में कुछ सीमा तक सुधार करने में समर्थ हुआ है, तथापि, उक्त वृद्धि भारत में मांग में हुई वृद्धि के अनुपात में नहीं थी। इसके अलावा, घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद भी वर्तमान अवधि में लाभ कमाने में समर्थ नहीं रहा था।
- घरेलू उद्योग पाटन के दुष्प्रभावों से अभी उबरा नहीं है और पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से घरेलू उद्योग को भविष्य में और अधिक क्षति होगी।

- ix. घरेलू उद्योग अपनी क्षमताओं का पूर्ण उपयोग करने से वंचित रहा है ।
- x. इस अवधि के दौरान उत्पादन लागत और बिक्री कीमत, दोनों में गिरावट आई है, बिक्री कीमत में आई गिरावट उत्पादन लागत में आई गिरावट की तुलना में अधिक है जिससे घाटा हुआ है ।
- xi. घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में कोई खास सुधार प्रदर्शित नहीं हुआ है । तथापि, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है ।
- xii. बढ़ती हुई मांग और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित इतनी कम कीमतों के बावजूद मालसूची में वृद्धि हुई है ।
- xiii. बिक्री मात्रा में देश में मांग के अनुपात में वृद्धि नहीं हुई है जबकि घरेलू उद्योग को मांग में हुई वृद्धि की दर से अधिक अपनी बिक्री में वृद्धि होने की आशा थी ।
- xiv. घरेलू उद्योग पाटन के पिछले दुष्प्रभाव से निकलने में सक्षम नहीं रहा है ।
- xv. निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है जिससे कारणात्मक संबंध की पुष्टि होती है;
- (क) जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से भारतीय पत्तन में पाटित आयातों का प्रवेश जारी है ।
- (ख) इसके अलावा, संबद्ध आयात घरेलू कीमतों से कम कीमत पर उपलब्ध है । यदि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किया जाता है तो पाटित आयातों से आगे और क्षति होगी ।
- (ग) चीन के उत्पादकों के पास उपलब्ध क्षमताओं और उनके निर्यात अभिमुखीकरण से यह संकेत मिलता है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से पाटित आयातों की मात्रा में तेजी से वृद्धि होगी ।
- (घ) देश में आयात कम और पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं और इनसे घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है । अतः घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्क के समय विस्तार और निर्धारित रूप में उसकी वृद्धि की दलील देता है ।
- (ङ.) आयातों के कारण घरेलू कीमतों में कटौती हो रही है । परिणामतः घरेलू उद्योग को बाजार में कीमतहास का सामना करना पड़ा है । पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में इसकी परिणति घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटे के रूप में होगी ।
- (च) पाटनरोधी उपाय के अभाव में पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

25. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में किसी भी उत्पादक/निर्यातक/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई अनुरोध नहीं किया है ।
26. घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस संबंध में किए गए विभिन्न अनुरोधों पर विचार करते हुए प्राधिकारी संबद्ध देश से हुए आयातों के कारण पाटन एवं क्षति के संभावना संबंधी पहलुओं की जांच करने से पूर्व घरेलू उद्योग को वर्तमान क्षति, यदि कोई हो, की जांच करने की कार्रवाई शुरू करते हैं । हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का प्राधिकारी द्वारा किए गए क्षति विश्लेषण में स्वतः समाधान हो जाता है ।
27. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि कि किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..." ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा प्रयाप्त स्तर तक बढ़ गई होती । "
28. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-11 के अनुसार विचार किया गया है ।
29. वर्तमान जांच लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है । नियम 23 में यह उपबंध है कि नियम 11 के उपबंध समीक्षा के मामले में भी आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे । अतः प्राधिकारी ने अनुबंध-11 के साथ पठित नियम 11 के उपबंधों पर आवश्यक परिवर्तनों के साथ विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण किया है । इसके अलावा, चूंकि विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करते समय संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क पर विचार करना अपेक्षित है । प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या मौजूदा उपाय क्षति पहुंचाने वाले पाटन को समाप्त करने के लिए पर्याप्त है अथवा नहीं ।

30. सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9(क)(5) के अनुसार लगाया गया पाटनरोधी शुल्क जब तक उसे समाप्त न किया जाए, इस प्रकार से लगाए जाने की तारीख से 5 वर्ष की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाएगा, परंतु यदि किसी समीक्षा में केन्द्र सरकार का यह मत हो कि ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है तो वह इस प्रकार से लगाए गए शुल्क की अवधि को आगे और 5 वर्ष के लिए बढ़ा सकती है और आगे की ऐसी अवधि इस प्रकार के समय विस्तार के आदेश की तारीख से शुरू होगी ।

31. वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के मात्रात्मक और कीमत प्रभावों तथा कीमतों पर कीमतों और लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है ताकि क्षति एवं पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की जांच की जा सके । प्राधिकारी ने नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग के भागस्वरूप मै0 नेक्टर लाइफ साईसेज लि. और मै0 कोपरान लि. से संबंधित सूचना पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच की है । तदनुसार, पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव की जांच निम्नानुसार की गई है ।

मात्रात्मक प्रभाव

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर उसका प्रभाव

मांग और बाजार हिस्सा

32. मांग और बाजार हिस्से का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है :

विवरण	इकाई	2009.10	2010.11	2011.12	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	किग्रा.	1,38,446	2,15,127	2,03,161	2,09,837
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	किग्रा.	2,03,086	2,78,703	2,61,297	2,76,566
संबद्ध देश-आयात	किग्रा.	11,905	25,921	20,475	23,681
अन्य देश-आयात	किग्रा.	3,692	11,724	857	790
कुल मांग/खपत	किग्रा.	3,57,130	5,31,475	4,85,789	5,10,874
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	:	38.77	40.48	41.82	41.07
अन्य भारतीय उत्पादक	:	56.87	52.44	53.79	54.14
संबद्ध देश-आयात	:	3.33	4.88	4.21	4.64
अन्य देश-आयात	:	1.03	2.21	0.18	0.15

33. प्राधिकारी ने देश में उत्पाद की मांग अथवा उसकी प्रत्यक्ष खपत का निर्धारण भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और समस्त स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा के रूप में किया है । इस प्रकार से निर्धारित मांग नीचे दी गई तालिका में देखी जा सकती है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान देश में उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है ।

34. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मामूली वृद्धि हुई है जबकि तदनुसारी अवधि के दौरान अन्य भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में मामूली गिरावट आई है । इसके विपरीत आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू मांग के मुकाबले संबद्ध देश के आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है ।

आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

35. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।

विवरण	इकाई	2009.10	2010.11	2011.12	जांच अवधि
आयात मात्रा					
संबद्ध देश	किग्रा.	11,905	25,921	20,475	23,681
अन्य देश	किग्रा.	3,692	11,724	857	790
कुल आयात	किग्रा.	15,597	37,645	21,332	24,471
आयातों में बाजार हिस्सा					
संबद्ध देश	:	76	69	96	97
अन्य देश	:	24	31	4	3

कुल आयात	:	100	100	100	100
निम्नलिखित की तुलना में संबद्ध देश से आयात					
खपत/मांग	:	3.33	4.88	4.21	4.64
उत्पादन	:	8.08	10.81	8.91	10.03

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से हुए आयातों की मात्रा की तुलना में संबद्ध देश से हुए आयातों की मात्रा काफी अधिक है। इसके अलावा, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू मांग और उत्पादन के मुकाबले संबद्ध देश से हुए आयातों में वृद्धि हुई है।

कीमत प्रभाव

पाटित आयातों का कीमत प्रभाव और घरेलू उद्योग पर उसका प्रभाव

37. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण के संदर्भ में की गई है। इस विप्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देश से आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के लिए तुलना पाटित आयातों के पहुंच मूल्य और घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमत के बीच की गई है। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त करों, रिबेट, छूट और कमीशन का समायोजन किया गया है। कम कीमत पर बिक्री क्षति निर्धारण का एक महत्वपूर्ण कारक है, इसलिए प्राधिकारी ने क्षति रहित कीमत निकाली है और कम कीमत पर बिक्री की मात्रा की गणना करने के लिए उसकी तुलना पहुंच मूल्य के साथ की है। घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का मूल्यांकन जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर समुचित विचार करते हुए किया गया है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव की जांच निम्नानुसार की गई है :-

कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री

38. प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क सहित और रहित कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का विप्लेषण निम्नानुसार किया है :

कीमत कटौती

विवरण	इकाई	2009.10	2010.11	2011.12	जांच अवधि
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	67	66
पाटनरोधी शुल्क रहित आयातों की पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	80	77
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती	रु./किग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	80	11	20
	:	***	***	***	***
	रेंज	15.25	15.25	1.10	0.10

कम कीमत पर बिक्री

विवरण	इकाई	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत	रु./किग्रा.	***
पाटनरोधी शुल्क रहित पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	***
पाटनरोधी शुल्क रहित कम कीमत पर बिक्री	रु./किग्रा.	***
	%	***
	रेंज	15.25

39. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के बिना आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम है जिसके परिणामस्वरूप कीमत में भारी कटौती हुई है।

कीमत ह्रास और न्यूनीकरण

40. घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के कीमत ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभावों की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की प्रवृत्ति की तुलना बिक्री लागत के साथ की गई है। निम्नलिखित आंकड़ों से यह पता चलता है कि वर्ष 2010-11, 2011-12 और जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत उसकी बिक्री लागत से कम रही है जिससे कीमत ह्रासकारी प्रभाव की मौजूदगी की पुष्टि होती है।

विवरण	इकाई	2009.10	2010.11	2011.12	जांच अवधि
उत्पादन की लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	73	70
बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	67	66

घरेलू उद्योग के अन्य आर्थिक मापदंडों की जांच

41. नियमावली के अनुबंध-।। में यह अपेक्षित है कि क्षति के विश्लेषण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच करने से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है।

उत्पादन, क्षमता और क्षमता उपयोग

42. निम्नलिखित तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद की क्षमता में वर्ष 2010-11 में वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन और क्षमता उपयोग में भी वृद्धि हुई है।

घरेलू उद्योग की बिक्री	विवरण	इकाई	2009.10	2010.11	2011.12	जांच अवधि
	क्षमता	किग्रा.	3,55,200	3,76,800	3,76,800	3,76,800
	उत्पादन	किग्रा.	1,47,347	2,39,680	2,29,822	2,36,174
	क्षमता उपयोग	%	41	64	61	63

43. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है :

विवरण	इकाई	2009.10	2010.11	2011.12	जांच अवधि
घरेलू बिक्री	किग्रा.	138446	215127	203161	209837
प्रवृत्ति	किग्रा.	100	155	147	152

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है।

लाभ/हानि, निवेश पर आय और नकद प्रवाह

44. निवेश पर आय, कर पूर्व और पश्चात लाभ/हानि तथा नकद लाभ की स्थिति निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गई है :

विवरण	इकाई	2009—10	2010—11	2011—12	जांच अवधि
उत्पादन की लागत	रु/किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	73	70
बिक्री कीमत	रु/किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	67	66
लाभ/हानि	रु/किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(29)	(315)	(164)
कुल लाभ/हानि	लाख रु0	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(44)	(459)	(249)
ब्याज एवं कर पूर्व लाभ	लाख रु0	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	4	40
नकद लाभ	लाख रु0	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	(22)	30
निवेश पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	4	46

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और बिक्री कीमत, दोनों में गिरावट आई है। तथापि, बिक्री कीमत में आई गिरावट बिक्री लागत में आई गिरावट की तुलना में अधिक है। घरेलू उद्योग को वर्ष 2010—11 से वित्तीय घाटा हुआ है।

मालसूची

45. निम्नलिखित तालिका में दिए गए आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तु की तैयार माल की सूची का स्तर अधिक था।

विवरण	इकाई	2009—10	2010—11	2011—12	जांच अवधि
मालसूची	कि.ग्रा.	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	486	463	540

रोजगार और मजदूरी

46. निम्नलिखित तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के रोजगार और मजदूरी, दोनों में वृद्धि हुई है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता बहु उत्पाद कंपनियां होने के नाते इन मापदंडों से वर्तमान और संभावित प्रतिकूल प्रभाव का पता नहीं चल सकता है।

विवरण	इकाई	2009—10	2010—11	2011—12	जांच अवधि
रोजगार	सं.	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	111	130	133
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	152	110	96

उत्पादकता

47. निम्नलिखित तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

विवरण	इकाई	2009—10	2010—11	2011—12	जांच अवधि
प्रति दिवस उत्पादकता	किग्रा.	421	685	657	675
सूचीबद्ध		100	163	156	160
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	किग्रा.	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	147	120	121

छ. पाटन की मात्रा

48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों का पाटन मार्जिन सकारात्मक और काफी अधिक है ।

वृद्धि

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग और मांग में बाजार हिस्से जैसे कुछेक आर्थिक मापदंडों में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित की है । तथापि, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान लाभ, नकद लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय आदि में गिरावट आई है ।

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

50. पाटन की स्थिति में पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता प्रासंगिक नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद उद्योग है ।

ज. कारणात्मक संबंध

51. प्राधिकारी ने इस बात की निम्नानुसार जांच की है कि क्या अन्य ज्ञात कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है :

- तीसरे देशों से आयात :— प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद का आयात नगण्य है और इसलिए उससे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है ।
- मांग में कमी :— प्राधिकारी नोट करते हैं कि मांग में कोई कमी नहीं आई है क्योंकि देश में संबद्ध वस्तु की मांग में वर्ष 2011—12 को छोड़कर क्षति अवधि के दौरान लगातार वृद्धि हुई है ।
- खपत की पद्धति :— यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी की जानकारी में संबद्ध वस्तु की खपत की पद्धति में कोई खास परिवर्तन नहीं आया है और न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस बारे में कोई अनुरोध किया है ।
- प्रतिस्पर्धा की स्थितियां :— प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच से यह पता नहीं चला है कि घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति के लिए प्रतिस्पर्धा की स्थितियां अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार जिम्मेवार है ।
- प्रौद्योगिकी विकास :— प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच से यह पता नहीं चला है कि प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई खास परिवर्तन हुआ था जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो ।
- घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन:— घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन प्रासंगिक नहीं है क्योंकि घरेलू और निर्यात बाजार में कीमत तथा लाभप्रदता को प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ अलग नहीं किया गया है ।

झ. पाटन एवं क्षति की संभावना :

घरेलू उद्योग के अनुरोध

52. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :—

- संबद्ध देश के निर्यातकों के पास भारतीय मांग से काफी अधिक क्षमताएं हैं । पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा में आगे और वृद्धि होना लाजिमी है ।
- चीन के कुछ उत्पादकों के पास उपलब्ध उत्पादन क्षमता निम्नानुसार है जबकि वास्तविक उत्पादन क्षमता काफी अधिक हो सकती है ।

क्र.सं.	उत्पादक का नाम	वास्तविक उत्पादन क्षमता (मी.ट.)
1	शांक्षी झेंगबांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि.	300
2	झुहाई यूनाइटेड लेबोरेट्रीज लि.	660
3	सुझोऊ डावनरेज फार्मास्युटीकल कं. लि.	500
4	बओझाओ फार्मास्युटीकल कं. लि.	168

5	हार्विन फार्मास्युटीकल ग्रुप	500
6	शीजियाझुआंग झोंगसोऊ फार्मास्युटीकल ग्रुप कं. लि.	10,000
7	चांगझोऊ जनरल इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन	52
8	अनहुई बीबीसीए लिकांग फार्मास्युटीकल कं. लि.	12
	कुल उत्पादन क्षमता	12,192

- iii. याचिकाकर्ता ने सेफ्ट्रीएक्सन का उत्पादन करने वाली चीन की कंपनियों में से एक कंपनी के बाजार हिस्से और उत्पादन के आधार पर चीन में विचाराधीन उत्पाद की मांग 4000 मी.ट. वार्षिक के आस-पास निर्धारित की है। इस गणना के आधार पर यह अनुमान लगाया गया है कि चीन में 8000 मी.ट. वार्षिक तक की बेशी उत्पादन क्षमता है। निम्नलिखित तालिका से उपर्युक्त तथ्यों का पता चलता है।

1	सुझोऊ डावनरेज की उत्पादन क्षमता	मी.ट.	507
2	सुझोऊ डावनरेज का बाजार हिस्सा	%	12.8
3	चीन में कुल मांग	मी.ट.	3,958
4	भारतीय मांग	मी.ट.	501
5	चीन में ज्ञात उत्पादन क्षमता	मी.ट.	11,792
6	चीन में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता	मी.ट.	7,834

- iv. याचिकाकर्ताओं को संबद्ध देश से विभिन्न देशों को हुए अत्यधिक निर्यातों की जानकारी है। चीन की कंपनियों के निर्यात का प्रतिशत 21 प्रतिशत-100 प्रतिशत के बीच है।

क्र.सं.	चीन में उत्पादक	निर्यात %
1	शेजियाझुआंग झोंगहोऊ फार्मास्युटीकल कं. लि.	31% - 40%
2	हार्विन फार्मा ग्रुप शानजिंग फार्मास्युटीकल कं. लि.	51% - 60%
3	शानडोंग लुकांग रिकॉर्ड फार्मास्युटीकल कं. लि.	21% - 30%
4	शंघाई किलू इंडस्ट्री कं. लि.	81% - 90%
5	हेबेईगुआनग्रेन फार्मास्युटीकल टेक्नोलॉजी कं. लि.	81% - 90%
6	शानडोंग जिनचेंग फार्मास्युटीकल एंड कैमिकल्स कं. लि.	40%
7	मेरकेटर फार्मा	100%
8	झेजियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन	61% - 80%
9	झेंगझोऊ देबाओ फाइन कैमिकल कं. लि.	91% - 100%
10	शंघाई रेनयोंग फार्मास्युटीकल कं. लि.	91% - 100%
11	झुहाई यूनाइटेड लेबोरेटरीज कं.	41%-50%
12	वंगचांग टोंगटार्ड फार्मास्युटीकल कं. लि.	91%-100%

- v. पाटनरोधी शुल्क के अभाव में संबद्ध देश से हुए आयातों के कारण भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती होगी।
- vi. आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की लागत और बिक्री कीमत से काफी कम है। इस प्रकार वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में और घरेलू उद्योग द्वारा आयात कीमत पर बिक्री करने का विकल्प चुने जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा होगा।
- vii. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी संबद्ध देश के निर्यातकों और उत्पादकों ने पाटित कीमतों पर सामग्री का निर्यात जारी रखा है। इस बात पर विचार करने का कोई कारण नहीं है कि वर्तमान मामले में शुल्क समाप्त किए जाने से चीन जन.गण. से होने वाले पाटन में तेजी नहीं आएगी।
- viii. पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में उत्पाद के पाटन में और अधिक तेजी आने तथा घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती होने की संभावना है।

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

53. इस बारे में किसी भी उत्पादक/निर्यातक/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई अनुरोध नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

54. वर्तमान जांच चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की एक निर्णायक समीक्षा है। नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी के लिए यह निर्धारित करना अपेक्षित है क्या पाटनरोधी शुल्क को निरंतर लागू रखने की जरूरत है। इसके लिए इस बात की जांच करना भी अपेक्षित है कि क्या लगाए गए शुल्क से क्षतिकारी पाटन समाप्त करने के अभीष्ट प्रयोजन की सिद्धि होती है। वर्तमान जांच में चूंकि संबद्ध देश से लगातार पाटित आयात हो रहे हैं, इसलिए प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित नहीं है कि क्या शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन की पुनरावृत्ति होगी। तथापि, इस तथ्य पर विचार करते हुए कि मूल और वर्तमान जांच में पाटन मार्जिन काफी अधिक है और यह कि जहां तक संबद्ध वस्तु की मांग और उसकी कीमत का संबंध है, भारतीय बाजार में बाजारी स्थितियां अनुकूल हैं, प्राधिकारी के पास इस बात का विश्वास करने का कारण है कि शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन में तेजी आएगी। वस्तुस्थिति यह है कि पाटनरोधी उपाय लागू होने के बावजूद संबद्ध देश अभी भी भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु का पाटन कर सकता है। निम्नलिखित विश्लेषण से पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन और घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति जारी रहने/उसमें वृद्धि होने की संभावना का पता चलेगा :

(i) वर्तमान और विगत पाटन मार्जिन का स्तर

55. मूल और वर्तमान जांच, दोनों में पाटन मार्जिन का स्तर काफी अधिक है। घरेलू उद्योग के पास समूची मांग को पूरा करने की क्षमता होने के बावजूद संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात पाटित कीमतों पर होना जारी है। पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री तथा कीमत ह्रास एवं चीन में क्षमता तथा भारत में मांग को ध्यान में रखते हुए पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटित आयात की मात्रा में आगे और वृद्धि होने की संभावना है।

(ii) भारतीय बाजार की कीमत आकर्षकता

56. चीन जन.गण. द्वारा भारत को जिस कीमत पर संबद्ध वस्तु का निर्यात किया जा रहा है, वह पाटन जारी रहने/उसमें वृद्धि होने की संभावना का एक संकेतक है। भारत में वर्तमान पहुंच कीमत पर पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत में सकारात्मक कटौती हो रही है। इस प्रकार पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में भारतीय कीमतें चीन के उत्पादकों के लिए इतनी अधिक आकर्षक बन जाएंगी जिससे वे भारत को होने वाले पाटित कीमतों पर निर्यातों में वृद्धि करेंगे और इस बात की प्रबल संभावना है कि भारतीय उपभोक्ता चीन से संबद्ध वस्तु के बड़े पैमाने पर आयातों का सहारा लेंगे। वस्तुतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उत्पादकों के संयंत्र बंद होने की संभावना के साथ चीन के निर्यातकों द्वारा भारत की समूची मांग की पूर्ति की जा सकती है।

(iii) चीन के उत्पादकों का निर्यात अभिमुखीकरण

57. उपलब्ध सूचना से यह स्पष्ट होता है कि चीन के उत्पादक/निर्यातक अत्यधिक निर्यातोन्मुखी हैं। भारत में संबद्ध वस्तु की उच्च मांग और अनुकूल बाजारी स्थितियों और चीन के उत्पादकों की उच्च उत्पादन क्षमता तथा निर्यात अभिमुखीकरण होने की बात को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि यदि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किया जाता है तो भारत में संबद्ध वस्तु की समूची मांग चीन के उत्पादकों द्वारा पूरी की जा सकती है।

(iv) चीन में भारी उत्पादन क्षमता

58. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार चीन में संबद्ध वस्तु के ऐसे कई उत्पादक हैं जिनकी संयुक्त उत्पादन क्षमता भारतीय मांग से काफी अधिक है। चीन की बेशी क्षमता की तुलना में संबद्ध वस्तु का भारतीय उत्पादन काफी कम है। पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में और चीन के निर्यातोन्मुखी होने पर विचार करते हुए चीन के उत्पादक संबद्ध वस्तु से जुड़े भारतीय विनिर्माण क्षेत्र पर पूर्णतः हावी होने में पूर्णतः सक्षम हैं।

V- क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

59. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध देश से हुए निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है और इस प्रकार से निकाला गया क्षति मार्जिन निम्नानुसार है :-

विवरण	इकाई	जांच अवधि
क्षतिरहित कीमत	रु०/किग्रा०	***
पाटनरोधी शुल्क रहित पहुंच मूल्य	रु०/किग्रा०	***
क्षति मार्जिन	रु०/किग्रा०	***
	%	***
	रैंज %	15.25

घ. घरेलू उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

60. प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से होने वाले आयात किसी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहारों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत रख सकते हैं।

ड. प्रकटन विवरण पश्चात टिप्पणियां

61. प्रकटन विवरण के पश्चात घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

- i. चूंकि चीन के उत्पादक मुख्यतः आधारभूत चरण अर्थात् 7 एसीए से उत्पाद का उत्पादन करते हैं, इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी को चीन के लिए सामान्य मूल्य और घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत के निर्धारण हेतु पद्धति तथा आधार के रूप में 7 एसीए को स्वीकार करना चाहिए।
- ii. वर्तमान मामले में अम.डा./किग्रा. में व्यक्त केवल पाटनरोधी शुल्क की निर्धारित मात्रा (शुल्क का निर्धारित स्वरूप) लागू की जाए।
- iii. पाटनरोधी शुल्क की उसी राशि को इस वजह से लागू किया जाना चाहिए कि चीन के उत्पादकों ने भारतीय बाजार में उत्पादक का पाटन जारी रखा है और घरेलू उद्योग को लगातार क्षति हुई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

62. प्रकटन विवरण के पश्चात घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों की प्राधिकारी द्वारा निम्नानुसार जांच की गई है :-

- i. जहां तक क्षतिरहित कीमत के निर्धारण के बारे में घरेलू उद्योग के प्रकटन विवरण पश्चात अनुरोध का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिन दो घरेलू उत्पादकों ने वर्तमान जांच में भाग लिया था, उनमें से एक द्वारा मध्यवर्ती सेफट्रीएक्सन सोडियम नॉन स्टरायल से सेफट्रीएक्सन सोडियम नॉन स्टरायल का बड़ी मात्रा में उत्पादन किया जाता है और दूसरे द्वारा 7 एसीए एवं सेफट्रीएक्सन सोडियम नॉन स्टरायल, दोनों से उसी उत्पाद का उत्पादन किया जा रहा है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि दोनों उत्पादकों के लिए एनआईपी की गणना पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार उनके लागत/वित्तीय आंकड़ों के आधार पर अलग-अलग की गई है। घरेलू उद्योग के लिए भारित औसत एनआईपी का निर्धारण नियमानुसार घरेलू बिक्री हेतु उनके उत्पादन के आधार पर किया गया है। अतः घरेलू उद्योग का यह तर्क सही नहीं है कि प्राधिकारी द्वारा निर्धारित एनआईपी अत्यंत अपर्याप्त है और केवल 7 एसीए के आधार पर एनआईपी के निर्धारण का अनुरोध स्वीकार्य नहीं है।
- ii. जहां तक सामान्य मूल्य के निर्धारण की कार्य प्रणाली से जुड़े अनुरोध का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश के बारे में सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत निर्धारित संगत प्रावधानों और डी जी ए डी द्वारा अपनाई गई सुसंगत परंपरा के अनुसार किया गया है।
- iii. जहां तक मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने के बारे में घरेलू उद्योग के अनुरोध का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मूल जांच के बाद लगाया गया पाटनरोधी शुल्क सीएनवी तथा 7 एसीए चरण से सेफट्रीएक्सन सोडियम स्टरायल के विनिर्माण के आधार पर निर्धारित एनआईपी पर आधारित था। ऐसे संरक्षण के बावजूद घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद पहुंच मूल्य से काफी कम थी। घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोध में बताया है कि उसने अपनी कीमतों में पाटनरोधी शुल्क की मौजूदा राशि को नहीं जोड़ा है ताकि सेफट्रीएक्शन की अनुषंगी उत्पादक प्रतिस्पर्धा कर सकें जिससे कि घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में विचाराधीन उत्पाद की मांग को न गंवा सके। घरेलू उद्योग ने काफी हद तक कम कीमतों पर आयातों को रोकने के उद्देश्य को प्राप्त कर लिया है। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन का निर्धारण करने और इस तथ्य को ध्यान में रखने के बाद कि घरेलू उद्योग मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद अपनी बिक्री कीमत को बढ़ाने की स्थिति में नहीं था, मौजूदा स्तर पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की घरेलू उद्योग के अनुरोध में कोई दम नहीं है।

ढ. निष्कर्ष

63. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों तथा इस जांच परिणाम में यथा दर्ज प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए तथा पाटन एवं परिणामी क्षति जारी रहने/उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना की स्थिति के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- i. चीन से संबद्ध उत्पाद का सतत पाटन हो रहा है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है ।
- ii. कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक है ।
- iii. घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन में गिरावट आई है ।
- iv. वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के पाटन में तेजी आने की संभावना है ।

ग. सिफारिशें

64 उपर्युक्तानुसार निष्कर्ष निकालने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि पाटनरोधी उपाय को निम्नलिखित शुल्क तालिका में किए गए उल्लेखानुसार बढ़ाए जाने की जरूरत है ।

65. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । तदनुसार, संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है ।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	उपशीर्ष या टैरिफ मद	वस्तु विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	उपाय की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	2941.9090 एवं 2942.0090	सेफ्ट्रीएक्सन सोडियम स्टरायल	कोई	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	कोई	21.85	किग्रा.	अम.डा.
2	—यथोक्त—	—यथोक्त—	—यथोक्त—	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर कोई देश	कोई	कोई	21.85	किग्रा	अम.डा.
3	—यथोक्त—	—यथोक्त—	—यथोक्त—	चीन जन.गण. से इतर कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	21.85	किग्रा	अम.डा.

त. आगे की प्रक्रिया

66. केन्द्र सरकार द्वारा यह आदेश स्वीकार किए जाने के बाद इसके खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ, अधिनियम, 1975 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

जे.एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th May, 2014

Final Findings

Subject:- Sunset Review (SSR) anti-dumping investigation concerning imports of Ceftriaxone Sodium Sterile (also known as Ceftriaxone Disodium Hemiheptahydrate-Sterile), originating in or exported from China PR.

No.15/12/2012-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

A. Background of the Case

1. WHEREAS, the original investigation concerning imports of Ceftriaxone Sodium Sterile (also known as Ceftriaxone Disodium Hemiheptahydrate-Sterile) (herein after referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as the subject country), was initiated by the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) vide Notification No. 14/18/2006-DGAD dated 4th April, 2007. The Preliminary Finding was issued by the Authority vide Notification No. 14/18/2006-DGAD dated 7th November, 2008 and the provisional anti-dumping duty was imposed by the Department of Revenue vide Notification No. 117/2007-Customs dated 30th November, 2007. The Final Findings Notification was issued by the Authority vide notification No. 14/18/2006-DGAD dated 2nd July, 2008, recommending imposition of definitive duty. On the basis of the recommendations made by the Authority in the final findings, definitive anti-dumping duty was imposed by the Department of Revenue vide Notifications No. 98/2008-Customs dated 27th August, 2008 on the imports of the of the subject goods, originating in or exported from the subject country.
2. WHEREAS, M/s Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co. Limited, one of the exporters from China PR, filed an appeal before Hon'ble CESTAT, New Delhi challenging the final findings dated 2.7.2008 issued by the Authority and the Custom Notification No. 98/2008-Cus dated 27.8.2008. The Hon'ble CESTAT vide their order dated 5th July, 2012 inter alia held as follows:

“6. From the above, we find that the Market Economy Status has been denied to the appellants not on any one consideration but after making an overall assessment covering several aspects. As such, we do not find any valid reason to interfere with the finding on the Market Economy Status given by the D.A. which has been done after analyzing all aspects of the case, apart from the fact that the import prices at which the appellants are sourcing only about 5% of their raw material requirement internationally quite low compared to the international import prices prevailing in India as per DGCIS data, which goes to indicate that the appellants are not operating in a Market Economy scenario.

7. The learned counsel for the appellants has argued that the D.A. has granted excessive confidentiality thereby deny an effective opportunity to the appellants to question the normal price which has been determined in respect of the appellants and in turn has been used to determine a higher rate of dumping margin and consequent high rate of anti-dumping duty against the appellants.

8. Taking into account the above submission made by the learned counsel for the appellants, we have called for the confidential versions of the final findings and other submissions. We find that for calculating the dumping margin for the appellants, the D.A. has adopted the option of constructing the normal value based on the import price of the raw material 7 ACA (as per DGCIS data). This has been done after discarding the method of construction normal value based on international price of Ceftriaxone Sodium (non-sterile) and other raw material to the extent such price were available. The construction of normal value by this method has been discarded on the ground that the entire import of Ceftriaxone crude was from China only and the prices were either dumped or not reliable enough. However, we find that the cost of raw materials used in this method of constructing normal value compares well with the value at which the petitioner domestic industry itself is procuring the same raw materials from the same source. Hence the reason given for discarding the first method of construction of the normal value cannot be sustained. Accordingly, we are of the view that the lower normal value calculated by the first method of construction adopting the average consumption norms of the cooperative exporters is required to be applied for the purpose of calculating the dumping margin and anti-dumping duty in respect of the appellants. Using the first method of normal value construction, the dumping margin for the appellants comes to US\$ 39.42. Accordingly, we modify the anti-dumping duty determined in respect of the appellants for the subject goods as US\$ 39.42 as against US \$ 55.61 determined earlier in the impugned final finding dated 2.7.2008 and the impugned Customs Notification No. 98/2008-Cus. dated 27.8.2008.

9. The appeal is thus partly allowed by reducing the anti-dumping duty as indicated above.”

3. Whereas, M/s Nectar Lifesciences Ltd, Chandigarh and M/s Kopran Ltd., Mumbai filed a duly substantiated application before the Authority, on behalf of the domestic industry, in accordance with the Act and the Rules, alleging likelihood of continuation or recurrence of dumping of the subject goods, originating in or exported from China PR and consequent injury to the domestic industry and have requested for review, continuation and enhancement of the anti-dumping duties, imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.
4. In view of the duly substantiated application filed on behalf of the domestic industry and in accordance with section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, the Authority initiated a sunset review investigation vide Notification dated 22nd November, 2012 to review the need for continued imposition of the duties in respect of the subject goods, originating in or exported from the subject country, and to examine whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. The validity of the antidumping duty on the imports of the subject goods from the subject country was extended by the Central Government upto 28th November, 2013 vide Notification No. 50/2012-Customs (ADD) dated 29th November, 2012.
5. The scope of the present review covers all aspects of the previous investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

B. Procedure

6. The procedure described below has been followed with regard to the subject investigation:
 - a) The embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2).
 - b) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and the embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential version of the application was also made available in the public file and provided to other interested parties, wherever requested.
 - c) The Authority forwarded a copy of the public notice to the following known producers/exporters in China PR (whose names and addresses were made available to the Authority) and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rules 6(2) & 6(4):
 - (i) M/s Fujian Fukang Pharmaceutical Co.
 - (ii) M/s Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co. Limited
 - (iii) M/s Zhuhai United Laboratories Co. Limited
 - (iv) M/s Shijiazhuang Pharm Group
 - (v) M/s Harbin Pharmaceutical Group Co. Limited
 - (vi) M/s Livzon Syntpharm Co. Limited
 - (vii) M/s Guanzhou Baiyunshan Pharmaceutical Co. Limited
 - (viii) M/s Shandong Lukang Record Pharmaceutical Co. Limited
 - (ix) M/s Qilu Antibiotics Pharmaceutical Co. Limited
 - (x) M/s Shanxi Weiqida Pharmaceutical Co. Limited
 - (xi) M/s Hebei Zhongrun Pharmaceutical Co. Ltd.
 - (xii) M/s Shandong Ruiying Pioneer Pharmaceutical Co. Ltd.
 - (xiii) M/s Shandong Jincheng Pharmaceuticals & Chemicals Company Limited
 - (xiv) M/s Mercator Pharma
 - (xv) M/s Zunan Commerce & Industrial Co. Limited

- (xvi) M/s Mingry Pharmaceutical Co. Limited
- (xvii) M/s Wanchan Gtongtai Pharmaceutical Co. Limited
- (xviii) M/s Hainan Pharchem Industry Co. Limited
- (xix) M/s Shenzhen Salubris Pharmaceuticals Limited
- (xx) M/s Zibo Hualong Pharmaceutical Company Limited

- d) No response or submission has been filed by any of the producers/exporters from the subject country.
- e) A Market Economy Treatment (MET) questionnaire was also forwarded to all the known producers/exporters and the Embassy of China PR with the request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time. While for the purpose of initiation the normal value in China PR was considered based on the cost of production of the subject goods in India, duly adjusted, the Authority informed the known producers/exporters from China PR that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of para 7 and para 8 of Annexure I of Anti-dumping Rules, as amended. The exporters/producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Authority to consider whether market economy treatment can be granted to the cooperative exporters/producers. However no response has been received from the producer/exporters of China PR in this regard.
- f) The Authority forwarded a copy of the public notice to the following known importers/consumers (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(4):
- (i) Biochem Pharmaceutical industries
 - (ii) G C ChemiePharmie Ltd
 - (iii) Lupin Ltd
 - (iv) Lyka Labs Ltd
 - (v) Maruti Pharma Chem Pvt Ltd
 - (vi) Merpro Pharmaceuticals Pvt Ltd
 - (vii) Orchid Chemicals and Pharmaceuticals
 - (viii) Strides Arcolab Ltd
 - (ix) Wexford Labs Ltd
 - (x) Flamingo Pharmaceuticals Ltd
 - (xi) Bulk Drugs Manufacturers Association
 - (xii) Indian Drug Manufacturers Association
- g) No response/submission has been submitted by any of the importers/users/other interested parties.
- h) The copy of the initiation notification was also sent to the following other known domestic producers of the subject goods:
- (i) Orchid Chemicals and Pharmaceuticals
 - (ii) Aurobindo Pharma Ltd
 - (iii) Parabolic Drugs Ltd
 - (iv) Lupin Ltd
- (v) M/s Aurobindo Pharma Ltd. and M/s Parabolic Drugs Ltd. have supported the petition.
- i) The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review was 1st July, 2011 to 30th June, 2012 (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods April 2009-March 2010, April 2010-March 2011, April 2011-March 2012 and the POI.

- j) The domestic industry had relied upon the data from the secondary sources i.e. IBIS. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCIS) to arrange details of imports of subject goods for the injury period including the POI and also the post-POI. Since during the POI the volume of the imports of the subject goods from the subject country, as per the IBIS source, was found to be more than that reported in the DGCIS data, although price of the subject goods in DGCIS data appears marginally high as compared to IBIS, the Authority has relied upon the data from the IBIS source in the present investigation.
- k) Exporters, producers, importers and other interested parties who have neither responded to the Authority nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties by the Authority.
- a) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- l) The Authority has examined the information furnished by the domestic producers to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- m) In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 19th September, 2013, which was attended only by the domestic industry and their representatives. The domestic industry which only presented its views in the oral hearing was requested to file written submissions of the views expressed orally.
- n) The submissions made by the interested parties during the course of the investigation and considered relevant by the Authority, have been addressed in this finding.
- o) Verification of the information and data submitted by the participating domestic producers was carried out to the extent deemed necessary.
- p) Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- q) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the 'facts available' and treated such parties as non-cooperative.
- r) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts were disclosed by the Authority to the known interested parties vide a disclosure statement issued on 13th May, 2014 and comments received on the same, to the extent considered relevant by the Authority, have been considered in this finding.
- s) ***in this finding represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- t) The exchange rate for the POI has been taken by the Authority as Rs.50.47 = 1 US\$.

C. Scope of Product under consideration and like article

Submissions made by the Domestic Industry

- 7. Following are the submissions made by the domestic industry with regard to product under consideration and like article:
 - (i) The present investigation being a sunset review, the scope of the product under consideration must remain the same as that in the original investigation.
 - (ii) The PUC is classified under Customs Heading 2941 & 2942 of the first schedule of the Customs Tariff Act, 1975 and the relevant eight digit level classifications are "2941.9090 & 2942.0090." The

definitive Anti-dumping Duty has been imposed by the Central Government vide Customs Notification No.98/2008-Customs dated 27th August, 2008 under the Customs Head 29419090. However, customs classification is indicative only and not binding on the scope of the investigation.

- (iii) No significant development has taken place over the period with regard to product under consideration.
- (iv) The goods produced by the domestic industry are like article to the imported product in terms of parameters such as physical & technical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification.

Submissions by producers/exporters/importers/other interested parties

- 8. None of the producers/exporters/importers/other interested parties has made any submissions in this regard.

Examination by the Authority

- 9. The product under consideration (PUC) in the original investigation as well as the present SSR investigation is Ceftriaxone Sodium Sterile, also known as Ceftriaxone Disodium Hemiheptahydrate-Sterile (C₁₈H₁₆N₈Na₂O₇S₃31/2H₂O). The present investigation being a sunset review, the product under consideration remains the same as in the original investigation. This is a third generation Parenteral Cephalosporin Antibiotic. Predominantly 'Ceftriaxone Sodium Sterile' is an Active Pharmaceutical Ingredient (API) used for the formulation of filling the injection for intravenous or intramuscular administration. The product is mainly used for the diseases like lower respiratory tract infection, skin & skin structure infection, pelvic inflammatory disease, intra-abdominal infection, uncomplicated gonorrhea infection and surgical prophylaxis. The definitive Anti-dumping Duty has been imposed by the Central Government vide Customs Notification No.98/2008-Customs dated 27th August, 2008 under the Customs Head 29419090. The applicant has claimed that the PUC is classified under Customs Heading 2941 & 2942 of the first schedule of the Customs Tariff Act, 1975 and the relevant eight digit level classifications are "2941.9090 & 2942.0090." However, customs classification is indicative only and not binding on the scope of the investigation.
- 10. The Authority notes that none of the interested parties has contested the meaning and scope of the product under consideration as defined by the Authority. The Authority further notes that the product under consideration produced by the domestic industry is like article to the goods imported from the subject country. Product under consideration produced by the domestic industry and imported from the subject country are comparable in terms of physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The Authority further notes that the Designated Authority has examined the issue of product under consideration and like article in the original investigation, which is relied upon. The goods produced by the domestic industry and imported from subject country are like articles in terms of the Rules. The two are technically and commercially substitutable.
- 11. The Authority notes that the product under consideration can be manufactured from the stage of 7-ACA (7-Amino Cephalosporinic Acid), which is the major raw material produced by fermentation of Cephalosporin-C. However, the product under consideration can also be manufactured from the intermediate stage by using and purifying Ceftriaxone non-sterile through a process of filtration. Both the petitioners constituting domestic industry in the present SSR investigation have the capacity to manufacture the product under consideration from both '7-ACA' as well as 'Ceftriaxone Non-sterile' stages. However, during the POI, while one of the domestic producers constituting domestic industry produced the subject goods from Ceftriaxone Non-sterile' stage, the other produced the subject goods from '7-ACA' as well as 'Ceftriaxone Non-sterile' stages.

D. Domestic Industry and Standing

Submissions by the Domestic Industry

- 12. The following are the submissions made by the domestic industry with regard to scope of the domestic industry and standing:

- (i) The scope of domestic industry and standing are not relevant in a sunset review.
- (ii) M/s. Kopran, one of the petitioners, has imported some volumes of the product under consideration from subject country. However, all these imports are under advance license and the principal activity of the company continues to be production of the subject goods and not trading. Therefore, Kopran is eligible to be considered as domestic industry under the Rules.
- (iii) The Designated Authority has discretion to include a domestic producer which imports the subject goods within the scope of domestic industry.
- (iv) There are four other known producers of the product under consideration in the country - M/s Aurobindo Pharma Ltd., M/s Parabolic Drugs Ltd., M/s Orchid Chemicals and M/s Lupin Ltd. M/s Aurobindo Pharma Ltd. and M/s Parabolic Drugs Ltd. have supported to the petition.
- (v) In the original investigation, the Designated Authority had excluded M/s Orchid Chemicals and M/s. Lupin Lab from the scope of domestic industry.
- (vi) The petitioners command more than 45% share in Indian production in the POI and, therefore, constitute domestic industry.

Submissions by producers/exporters/importers/other interested parties

13. None of the producers/exporters/importers/other interested parties has made any submissions in this regard.

Examination by Authority

14. The Authority notes that the application in the present SSR investigation has been filed by M/s Nectar Lifesciences Ltd and M/s Kopran Ltd on behalf of the domestic industry. The Authority notes that M/s. Kopran, one of the petitioners, has acknowledged to have imported *** Kg of the subject goods from the subject country through advance license constituting about ***% of their total production. However, the Authority notes that the focus of the company is in production of the product under consideration and not trading and imports through advance license do not affect their eligibility for being treated as domestic industry under the Rules.
15. The Authority further notes that there are other known producers of the subject goods in the country namely M/s Aurobindo Pharma Ltd., M/s Parabolic Drugs Ltd., M/s Orchid Chemicals and M/s Lupin Ltd. M/s Aurobindo Pharma Ltd. and M/s Parabolic Drugs Ltd. have supported the petition. As per the information provided by the domestic industry, M/s Lupin Ltd uses the entire production of the subject goods for captive consumption and M/s Orchid Chemicals exports the entire production of the subject goods and both the industries do not have any domestic sale of the subject goods during the POI. The production of the applicant producers constitutes major portion of the total production of the subject goods and therefore the applicants constitute domestic industry. Moreover, as regards standing and scope of domestic industry, there is no opposition from any interested party in the present investigation. In view of the above position and having regard to the Rules and information on record, the Authority holds that M/s Nectar Lifesciences Ltd. and M/s Kopran Ltd., account for a major proportion in Indian production of the subject goods and constitute domestic industry within the meaning of the Rules.

E. Market Economy Treatment, Normal Value, Export Price and Determination of Dumping Margin – Methodology, Parameters and Likelihood of Continuation of Dumping.

Market Economy Claim

Submissions by the Domestic Industry

16. Following are the submissions made by the domestic industry:

- i. Since no questionnaire response has been filed by any of the Chinese companies, the subject country should be treated as non-market economy.
- ii. In the original investigations, the Authority had not granted market economy treatment to any of the exporters from China and determined the normal value in China on the basis of the constructed normal value based on the estimated cost of production of the subject goods in China with reasonable profit in terms of Para 7 & 8 of the Annexure 1 to the said Rules as amended. Authority should consider the same methodology to calculate the normal value for China PR in the current investigation.
- iii. The normal value in China can be determined on the basis of (a) price in India, and (b) cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit. Normal Value in China should be determined on the basis of cost of production in India, duly adjusted.
- iv. The petitioners have constructed normal value by considering international price of the raw material and adopting their consumption norms and conversion cost. The major raw material in the production of Ceftriaxone Sodium Sterile is 7-ACA (7-Amino Cephalosporinic Acid), which is produced by fermentation of Cephalosporin-C. Even though some producers have started producing the product from Ceftriaxone Sodium Non Sterile stage as well, since this is not completed production process, the Designated Authority may kindly consider the process only from 7-ACA stage.
- v. It is also relevant to note in this regard that the previous investigation has shown that majority of the Chinese producers are producing the product under consideration from 7-ACA. Since the Chinese producers are producing the product under consideration from 7-ACA, the normal value is required to be assessed from this stage only.

Submissions by producers/exporters/importers/other interested parties

17. None of the producers/exporters/importers/other interested parties has made any submissions in this regard.

Examination of Market Economy Claims

18. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating China PR as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known producers/exporters for rebutting presumption of non-market economy in accordance with criteria laid down in Para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China to advise the producers/exporters in their country to provide the relevant information. In the present SSR investigation, however, none of the Chinese producers/exporters has filed response. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. In view of the above position, the Authority treats the subject country as non-market economy in the present investigation.

Determination of Normal Value

19. The Authority notes that none of the producers and exporters of the subject goods from the subject country has submitted the exporter's questionnaire response and market economy questionnaire response, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. In view of the above position and in absence of rebuttal of non-market economy presumption by the respondent Chinese company, the Authority considers it appropriate to proceed with para-7 of Annexure-I to the Rules for determination of normal value in case of China PR.

20. Para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules provide that:

“In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.”

21. None of the exporters/producers from the subject country has cooperated with the Authority and responded to the present investigation. Further none of the interested parties has provided any other alternate basis as defined in the Rules on which normal value can be determined. In view of the above position and considering China as a non-market economy, the Authority has determined the normal value in accordance with para 7 of Annexure I of the AD Rules. In the absence of sufficient information on record regarding the other methods as are enshrined in para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, the Authority has determined the normal value by adopting the method of “other reasonable basis”. The Authority has, therefore, constructed the normal value for China PR on the basis of the cost of production of the efficient domestic producer in India after making due adjustment for the international prices of major raw materials. The Authority has also provided for reasonable profit as per its consistent practice. Accordingly, the constructed normal value for Chinese exporters has been determined as US\$ *** per Kg.

Export Price

22. As none of the exporters of the subject country has provided any information that can be used for determination of the export price, the Authority has determined the export price for all exporters from China PR on the basis of imports into India as per IBIS data. The adjustments to the CIF prices have been made as per facts available on record. Accordingly, export price has been adjusted for air freight, insurance, commission, port expenses, bank charges and inland freight. The net export price worked out by the Authority is *** US\$/Kg.

Dumping Margins

23. Comparing the constructed normal value and export price at ex-factory level as determined above, the dumping margin for all the producers/exporters in the subject country is determined by the Authority as follows:-

Normal value	US\$/Kg	***
Net Export price	US\$/Kg	***
Dumping Margin	US\$/Kg	***
Dumping Margin as a Percentage of Normal Value	%	***
Dumping Margin	Range %	15-25

F. Methodology For Injury Determination and Examination of Injury and Causal Link Submissions by the domestic industry

24. The domestic industry has made the following submissions with regard to the injury and causal link:

- i. There is continued dumping of the product under consideration from China.
- ii. Dumping of the product under consideration is likely to intensify from the subject country should the current anti-dumping duty be revoked.
- iii. Volume of dumped imports has declined as a result of current anti-dumping duties.
- iv. Price undercutting is significantly positive.
- v. Performance of the domestic industry in terms of profits, return on investments, inventories etc. has deteriorated in the current Period of Investigation.
- vi. Despite anti-dumping duty in force, the profits of the domestic industry have declined. Should the current anti dumping duties cease, the domestic industry would be forced to sell its product at a price comparable to import prices. This would mean significant financial losses, negative return on investment and significant cash losses.
- vii. Even though the domestic industry was able to improve its production and sales volumes to some extent, the increase was disproportionate to the increase of demand in India. Further, domestic industry was unable to earn profits in the current period even after imposition of anti-dumping duty.
- viii. The domestic industry has not yet recovered from the past ill effects of dumping and revocation of anti-dumping duty shall imply intensified injury to the domestic industry in future.
- ix. Domestic Industry has been prevented from utilizing its capacities to the fullest extent.
- x. Both cost of production and selling prices declined over the period, the decline in the selling price is greater than the decline in the cost of production, resulting in losses.
- xi. The production, sales and capacity utilization of the domestic industry has not shown significant improvements. However, the profitability of the domestic industry has declined.
- xii. Despite rising demand and such low prices being offered by the domestic industry, the inventories have increased.
- xiii. Sales volumes have not increased in proportion to the demand in the Country, whereas the domestic industry had expected to increase its sales beyond the rate of increase in the demand.
- xiv. Domestic industry has not been able to come out of past ill effects of dumping.
- xv. Following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports and thereby establish causal link:
 - a) The dumped imports from the subject country have continued to enter the Indian port in the period of investigation.
 - b) Further, subject imports are available at prices lower than domestic prices. Once, the anti dumping duty is revoked, the dumped imports will cause further injury.
 - c) The capacities available with the Chinese producers and their export orientation suggest that in case anti-dumping duty is revoked, the volume of dumped imports would surge.
 - d) The imports are entering the country at low & dumped prices and are undercutting the prices of the domestic industry. The domestic industry, therefore, pleads for an extension and enhancement of anti dumping duty in fixed form.
 - e) The imports are undercutting the domestic prices. Resultantly, the domestic industry is faced with price depression in the market. This would result in significant financial losses to the domestic industry in the event of revocation of anti dumping duty.
 - f) In the absence of anti dumping measure, the likelihood of recurrence of dumping and injury cannot be ruled out.

Submissions by producers/exporters/importers other interested parties

25. None of the producers/exporters/importers/other interested parties has made any submissions with regard to injury to the domestic industry.

Examination by the Authority

26. In consideration of the various submissions made by the domestic industry in this regard, the Authority proceeds to examine the current injury, if any, to the domestic industry before proceeding to examine the likelihood aspects of dumping and injury on account of imports from the subject country.
27. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure–II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
28. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules *supra*.
29. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties in force. Rule 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply, *mutatis mutandis* in case of a review as well. The Authority has, therefore, determined injury to the domestic industry considering, *mutatis mutandis*, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Further, since anti-dumping duties are in force on imports of the product under consideration, the Authority considers whether the existing anti-dumping duties on the imports of subject goods from China PR are required to be considered while examining injury to the domestic industry. The Authority has examined whether the existing anti-dumping measure is sufficient or not to counteract the dumping which is causing injury.
30. According to Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act, anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension.
31. For the purpose of current injury analysis, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any. The Authority has examined injury to the domestic industry by considering information relating to M/s Nectar Lifesciences Ltd., and M/s Kopran Ltd., constituting domestic industry under the Rules. Accordingly, the volume and price effect of dumped imports have been examined as follows:

VOLUME EFFECT**Volume effect of dumped imports and impact on domestic industry****Demand and Market Share**

32. The demand and market share are analysed as below:

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Sales of Domestic Industry	K.G.	1,38,446	2,15,127	2,03,161	2,09,837
Sales of Other Indian Producers	K.G.	2,03,086	2,78,703	2,61,297	2,76,566

Subject countries-Imports	K.G.	11,905	25,921	20,475	23,681
Other Countries-Imports	K.G.	3,692	11,724	857	790
Total demand/ consumption	K.G.	3,57,130	5,31,475	4,85,789	5,10,874
Market Share in Demand					
Domestic Industry	%	38.77	40.48	41.82	41.07
Other Indian Producers	%	56.87	52.44	53.79	54.14
Subject countries-Imports	%	3.33	4.88	4.21	4.64
Other Countries-Imports	%	1.03	2.21	0.18	0.15

33. The Authority has determined demand or apparent consumption of the product in the Country as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources. The demand so assessed can be seen in the table given above. The Authority notes that demand for the product in the country during POI increased vis-à-vis the base year as well as the immediate preceding year.
34. The Authority further notes that the market share of the domestic industry has marginally increased during the POI as compared to the base year, whereas market share of the other Indian producers has marginally declined during the corresponding period. On the contrary, the share of subject country's imports vis-à-vis domestic demand increased during the POI as compared to the base year.

Import Volume & market share

35. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Imports Volume					
Subject Country	Kg	11,905	25,921	20,475	23,681
Other Countries	Kg	3,692	11,724	857	790
Total Imports	Kg	15,597	37,645	21,332	24,471
Market Share in imports					
Subject country	%	76	69	96	97
Other countries	%	24	31	4	3
Total Imports	%	100	100	100	100
Subject Country Import in relation to					
Consumption/demand	%	3.33	4.88	4.21	4.64
Production	%	8.08	10.81	8.91	10.03

36. The Authority notes that the volume of imports from the subject country is significant as compared to the volume of imports from other countries. Further, the imports from the subject country vis-à-vis domestic demand and production have increased during the POI as compared to the base year.

PRICE EFFECT

Price effect of dumped imports and impact on domestic industry

37. The impact on the prices of the domestic industry on account of imports of the subject goods from the subject country have been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression. For the purpose of this analysis the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been compared with landed value of imports from the subject country. A comparison for subject goods during the period of investigation was made between the landed value of the dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, rebates, discounts and commission incurred by the domestic industry have been adjusted. The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non-injurious price

and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry in terms of the principles by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The position is as follows.

Price Undercutting and Underselling

38. The Authority has made price undercutting and under selling analysis both with and without anti-dumping duty as below:

Price Undercutting

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Net Sales Realisation	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	95	67	66
Landed price of imports without ADD	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	99	80	77
Price Undercutting without ADD	Rs./Kg	***	***	***	***
	Index	100	80	11	20
	%	***	***	***	***
	Range	15-25	15-25	1-10	0-10

Price Underselling

Particulars	Unit	POI
Non injurious Price of Domestic industry	Rs./Kg	***
Landed Value without ADD	Rs./Kg	***
Price Underselling without ADD	Rs./Kg	***
	%	***
	Range%	15-25

39. The Authority notes that without ADD, landed price of imports is below the selling price of the domestic industry, resulting in significant price undercutting.

Price Suppression and Depression

40. To examine the price suppression and depression effects of the dumped imports on the domestic prices, the trend of net sales realization of the domestic industry has been compared with the cost of sales. The data given below shows that the domestic industry's selling price has remained below its cost of sales during 2010-11, 2011-12 and the POI, signifying existence of price suppression effect.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cost of production	Rs./Kg.	***	***	***	***
Trend	Index	100	97	73	70
Selling price	Rs./Kg.	***	***	***	***
Trend	Index	100	95	67	66

Examination of other economic parameters of the domestic industry

41. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules

further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

Production, capacity and capacity utilization

42. The Authority notes from the table below that capacity for the product under consideration has increased in 2010-11. The production and capacity utilization have also increased during POI as compared to the base year.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Capacity	Kg	3,55,200	3,76,800	3,76,800	3,76,800
Production	Kg	1,47,347	2,39,680	2,29,822	2,36,174
Capacity Utilization	%	41	64	61	63

Sales of the Domestic Industry

43. Sales volume of domestic industry is given in the following table:

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Domestic sales	Kg	138446	215127	203161	209837
Trend	Kg	100	155	147	152

The Authority notes that the domestic sales have increased in the POI as compared to the base year.

Profit/loss, return on investment and cash flow

44. The return on investment, profit/loss before and after interest and cash profit are as shown in the table below:

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cost of production	Rs./Kg.	***	***	***	***
Trend	Index	100	97	73	70
Selling price	Rs./Kg.	***	***	***	***
Trend	Index	100	95	67	66
Profit/loss	Rs./Kg.	***	***	***	***
Trend	Index	100	(29)	(315)	(164)
Total profit/loss	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	(44)	(459)	(249)
Profit before Interest and Tax	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	111	4	40
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	113	(22)	30
Return on investment	%	***	***	***	***
Trend	Index	100	114	4	46

The Authority notes that both the cost of sales and selling price of the domestic industry have declined in POI as compared to the base year. However, the decline in selling price is greater than the decline in the cost of sales. The domestic industry has suffered financial losses since 2010-11.

Inventories

45. The data given in the table below shows that the finished goods inventory of the subject goods of the domestic industry was high during the POI as compared to the base year.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Inventories	Kg	***	***	***	***
<i>Indexed</i>		100	486	463	540

Employment and wages

46. From the table given below, the Authority notes that both the employment and wages of the domestic industry has increased during the POI as compared to the base year. It is, however, noted that the petitioners being multi-product companies, these parameters may not show current and potential adverse impact.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Employment	Nos.	***	***	***	***
<i>Indexed</i>		100	111	130	133
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
<i>Indexed</i>		100	152	110	96

Productivity

47. The Authority notes from the table below that productivity of the domestic industry during POI has increased as compared to the base year.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Productivity per day	Kg	421	685	657	675
<i>Indexed</i>		100	163	156	160
Productivity per employee	Kg	***	***	***	***
<i>Indexed</i>		100	147	120	121

G. Magnitude of Dumping Margin

48. The Authority notes that the dumping margin of the imports of the subject goods from the subject country is positive and substantial.

Growth

49. The Authority notes that the domestic industry has shown positive growth in some of the economic parameters such as production, domestic sales capacity utilisation and market share in demand. However, profit, cash profit, ROCE, etc. have deteriorated during the POI as compared to the base year.

Ability to raise Capital Investment

50. The ability to raise capital investment in the event of dumping is not relevant since the domestic industry is a multi-product industry.

H. Causal Link

51. The Authority examined whether other known factors could have caused injury to the domestic industry as follows:

- i. **Imports from Third Countries:** - The Authority notes that imports of product under consideration from other countries are negligible and, therefore, could not have caused injury to the domestic industry.
- ii. **Contraction in Demand:** - The Authority notes that there is no contraction in demand as the demand of the subject goods in the country has consistently increased throughout the injury period, except in 2011-12.
- iii. **Pattern of consumption:** - It is noted that no significant change in the pattern of consumption for the subject goods has come to the knowledge of the Authority, nor any interested party has made any submission in that regard.
- iv. **Conditions of competition:** - The Authority notes that the investigation has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices are responsible for the claimed injury to the domestic industry.
- v. **Developments in technology:** - The Authority notes that the investigation has not shown that there was any significant change in technology which could have caused injury to the domestic industry.
- vi. **Export performance of the domestic industry:** - The export performance of the domestic industry is not relevant since price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the Authority for the purpose of assessing injury to the domestic industry.

I. Likelihood of dumping and injury**Submissions by the domestic industry**

52. Following are the submissions made by the domestic industry:

- i. Exporters in the subject country have capacities far in excess of Indian demand. In case of revocation of anti-dumping duty, the volume of subject goods' imports is bound to increase further.
- ii. Production capacity available with some of the Chinese producers are as below, while the actual production capacity may be far higher:

Sl. N.	Name of Producer	Annual Production Capacity (MT)
1	Shaanxi Zhengbang International Trade Co. Ltd	300
2	Zhuhai United Laboratories Ltd.	660
3	Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co. Ltd.	500
4	Baozhao Pharmceutical Co. Ltd	168
5	Harbin Pharmaceutical Group	500
6	Shijiazhuang Zhongshuo Pharmaceutical Group Co. Ltd	10,000
7	Changzhou General Import and Export	52

	Corporation	
8	Anhui BBKA LiKang Pharmaceutical Co., Ltd.	12
	Total Production Capacity	12,192

- iii. The petitioner has assessed demand for the product under consideration in China at around 4,000 MT per annum based on the market share and production of one of the Chinese companies producing Ceftriaxone. Based on this calculation, it has been assessed that there is excess production capacity to the tune of 8,000 MT per annum in China. Following table demonstrates the above facts:

1	Production Capacity of Suzhou Dawnrays	MT	507
2	Market Share of Suzhou Dawnrays	%	12.8
3	Total Demand in China	MT	3,958
4	Indian Demand	MT	501
5	Known Production Capacity in China	MT	11,792
6	Excess Production Capacity in China	MT	7,834

- iv. Petitioners are aware of significant exports from subject country to various countries. The export percentage of the Chinese companies varies from 21%-100%.

S.N.	Exporter In China	Export %
1	Shijiazhuang Zhongshuo Pharmaceutical Co., Ltd.	31% - 40%
2	Harbin Pharm. Group Sanjing Pharmaceutical Co., Ltd.	51% - 60%
3	Shandong Lukang Record Pharmaceutical Co., Ltd.	21% - 30%
4	Shanghai Qilu Industry Co., Ltd.	81% - 90%
5	HebeiGuangren Pharmaceutical Technology Co., Ltd.	81% - 90%
6	Shandong Jincheng Pharmaceuticals & Chemicals Company Limited	40%
7	Mercator Pharma	100%
8	Zhejiang Chemicals Import And Export Corporation	61% - 80%
9	Zhengzhou Debao Fine Chemical Co., Ltd.	91% - 100%
10	Shanghai Renyoung Pharmaceutical Co., Ltd.	91% - 100%
11	Zhuhai United Laboratories Co.	41%-50%
12	WanchangTongtai Pharmaceutical Co. Limited	91%-100%

- v. Imports from the subject country would undercut the prices of the domestic industry in the Indian market in the absence of anti-dumping duty.
- vi. The landed price of imports is substantially below the cost and selling price of the domestic industry. Thus, in the event of cessation of current anti-dumping duty and if the domestic industry chooses to sell at the import prices, the domestic industry would suffer significant financial losses.
- vii. The exporters and producers from the subject country have continued to export the material at the dumped prices even after the imposition of the anti-dumping duty. There is no reason to consider that revocation of duties in the present case would not result in intensified dumping from China PR.

- viii. In the event of revocation of the anti-dumping duty, the product is likely to be dumped more intensively and undercut the prices of the domestic industry.

Submissions by producers/exporters/importers/other interested parties

53. None of the producers/exporters/importers/other interested parties has made any submissions in this regard.

Examination by the Authority

54. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties imposed on the imports of subject goods from China PR. Under the Rules, the Authority is required to determine whether continued imposition of anti-dumping duty is warranted. This also requires examination whether the duty imposed is serving the intended purpose of eliminating injurious dumping. In the present investigation, as there are continued dumped imports, the Authority is not required to examine whether revocation of duty is likely to lead to continued dumping of the product. However, considering the fact that the dumping margin in the original as well as the present investigation is significant and that there are favorable market conditions in the Indian market as far as demand and price for the subject goods are concerned, the Authority has reason to believe that dumping may intensify if the duty is revoked. It is a matter of fact that despite the anti-dumping measures in force, the subject country could still dump the subject goods in the Indian market. The following analysis would show about the likelihood of continuation/intensification of dumping and injury to the domestic industry in the event of revocation of anti-dumping duty:

(i) Level of current and past dumping margin

55. The level of dumping margin both in the original as well as present investigation is significant. Despite the domestic industry holding the capacity to meet the entire demand, the import of the subject goods from the subject country still continues to be at dumped prices. Given the level of price undercutting, underselling without the anti-dumping duty and price suppression and considering the capacity in China and demand in India, the volume of dumped import is likely to increase further in the event of revocation of anti-dumping duty.

(ii) Price attractiveness of Indian market

56. The price at which the subject goods are being exported by China PR to India is an indicator of the likelihood of continuation/intensification of dumping. At the current landed price in India, there is positive undercutting without anti-dumping duty. Thus, with the revocation of anti-dumping duty, the Indian prices would be too attractive for the Chinese producers to intensify their exports to India at dumped prices and there is strong likelihood that Indian consumers would resort to large scale imports of the subject goods from China. In fact, the entire Indian demand can be met by the Chinese exporters with possibility of closure of the domestic producers in the event of revocation of the anti-dumping duty.

(iii) Export orientation of Chinese producers

57. From the available information it is evident that the Chinese producers/exporters are very much export oriented. Considering the high demand and favorable market conditions for the subject goods in India and the high production capacity and export orientation of the Chinese producers, the Authority holds that if the existing anti-dumping duties are withdrawn, the entire demand for the subject goods in India can be catered by the Chinese producers.

(iv) Huge Production Capacity in China

58. As per the information furnished by the domestic industry, there are a number of producers of the subject goods in China holding a combined production capacity far more than Indian demand. The Indian

production of subject goods is quite low as compared to the surplus Chinese capacity. In the event of revocation of anti-dumping duty and considering the Chinese export orientation, the producers in China are capable of completely overtaking the Indian manufacturing sector engaged in subject goods.

J. Magnitude of Injury and injury margin

59. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority in terms of Annexure III to the AD Rules has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during the POI and the injury margin so worked out is as under:

Particulars	Unit	POI
Non injurious Price	Rs./Kg	***
Landed Value without ADD	Rs./Kg	***
Injury margin	Rs./Kg	***
	%	***
	Range%	15-25

K. Indian industry's interest and other issues

60. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The purpose of imposing anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

L. Post Disclosure Comments

61. The following are the post-disclosure submissions made by the domestic industry and considered relevant by the Authority:
- Since Chinese producers mostly produce the product from the basic stage, i.e., 7 ACA, the Designated Authority should adopt 7ACA as the route and the basis for determination of normal value for China and non-injurious price for the domestic industry.
 - Only fixed quantum of anti-dumping duty (fixed form of duty) expressed as in US\$/kg may be imposed in the present case.
 - The same quantum of anti-dumping duty should be extended for the reason that the Chinese producers have continued dumping of the product in the Indian market and the domestic industry has suffered continued injury.

Examination by the Authority

62. The post-disclosure submissions made by the domestic industry are examined by Authority as below:

- i. As regards the post-disclosure submission of the domestic industry concerning determination of Non-Injurious Price (NIP), the Authority notes that out of the two domestic producers, who had participated in the present investigation, one has majority of production of Ceftriaxone Sodium Sterile from the intermediate Ceftriaxone Sodium Non-sterile and the other one producing the same from both 7ACA as well as Ceftriaxone Sodium Non-sterile. The Authority further notes that NIP for both the producers have been worked out separately based on their respective cost/financial data in terms of Annexure III to the AD Rules. The weighted average NIP for the domestic industry has been determined on the basis of their respective production for domestic sales as per the Rules. Therefore, the contention of the domestic industry that the NIP determined by the Authority is grossly inadequate is not correct and its request to determine the NIP solely based on 7ACA is not acceptable.
- ii. As regards the submission concerning the methodology of determination of normal value, the Authority notes that the normal value in respect of the subject country has been constructed as per the relevant provisions laid down under the Anti-dumping Rules and consistent practice followed by the DGAD.
- iii. With regard to the request of domestic industry to continue the existing anti-dumping duty, the Authority notes that the anti-dumping duty imposed after the original investigation was based on the CNV and NIP determined on the basis of manufacture of Ceftriaxone Sodium Sterile from 7ACA stage. In spite of such protection, the domestic industry's net selling price was much lower than the landed value after adding the anti-dumping duty. The domestic industry in its submissions has stated that it has not added the existing quantum of anti-dumping duty in their prices in order to enable the downstream producers of Ceftriaxone to be competitive so that the domestic industry does not lose demand for the PUC in the domestic market. The domestic industry has achieved to a significant extent the objective of arresting the imports at low prices. The Authority, therefore, holds that after having determined the dumping margin and the injury margin in the current SSR investigation and the fact that the domestic industry was not in a position to improve its selling price in spite of prevailing anti-dumping duty, there is no merit in the request of domestic industry to continue the anti-dumping duty at the existing level.

M. CONCLUSIONS

63. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in this finding and on the basis of the above analysis of the state of continuation of dumping and consequent injury and likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:
 - i. There is continued dumping of the product concerned from China, causing injury to the domestic industry.
 - ii. Price undercutting and underselling are positive.
 - iii. The financial performance of the Domestic Industry has deteriorated.
 - iv. Dumping of the product under consideration is likely to intensify from the subject country should the current anti-dumping duty be withdrawn.

N. Recommendations

64. Having concluded as above, the Authority is of the view that the anti-dumping measure is required to be extended as specified in the duty table below.
65. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col. 9 of the table below is recommended to be imposed by the Central Government on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

Duty Table

Sl. No	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2941.9090 & 2942.0090	Ceftriaxone Sodium Sterile	Any	China PR	China PR	Any	Any	21.85	KG	US\$
2	-Do-	-Do-	-Do-	China PR	Any other than China PR	Any	Any	21.85	KG	US\$
3	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than China PR	China PR	Any	Any	21.85	KG	US\$

O. Further Procedures

66. An appeal against this order, after its acceptance by the Central Government, shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975.

J. S. DEEPAK, Designated Authority